# सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 136 | अगस्त : 2021


## इस अंक में...


5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

### 15 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने मौद्रिक नीति में छठवीं बार प्रमुख उधार दरों को अपरिवर्तित रखा
- एटीएम से कैश निकालने के नियमों में आरबीआई ने किया बदलाव
- जी-7 समूह देशों ने बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर कर लगाने पर किया समझौता

### 19 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च की mYoga App
- पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य
- डेल्टा प्लस, कोरोना वायरस का K417N उत्परिवर्तन
- मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'झंडा सत्याग्रह' का आयोजन
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा इतालवी नौसैनिकों के खिलाफ आपराधिक मामला बंद
- असम में लगाया गया दुनिया का पहला जीएम रबड़

### 22 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- जी-7 राष्ट्रों का 47वाँ शिखर सम्मेलन यूनाइटेड किंगडम में आयोजित
- सतत् विकास लक्ष्य सूचकांक में भारत को 120वाँ स्थान
- वैश्विक शांति सूचकांक में भारत को 135वाँ स्थान
- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में शिनजियांग पर गम्भीर चिंता का प्रदर्शन

### 26 खेल खिलाड़ी

- ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक खेलों की करेगा मेजबानी
- डेवोन कॉनवे ने लॉर्ड्स में इंगलैंड के खिलाफ टेस्ट में दोहरा शतक लगाया
- ICC का फैसला, वनडे वर्ल्ड कप में खेलेंगी 14 टीमें

30 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

33 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### लेख

36 **स्वास्थ्य लेख**—संक्रामक रोगों से बचाने में हवादार इमारतें ज्यादा कारगर

37 **कर्मयोग लेख**—सक्रियता : जीवनी-शक्ति है और सफलता का आधार भी

38 **जैविक संरक्षण लेख**—विश्व के प्रसिद्ध अभयारण्य

40 **प्रौद्योगिकी लेख**—कोविड महामारी एवं डिजिटल असमानताएं

41 **कौशल-विकास लेख**—सफलता-प्राप्ति के सूत्र

42 **विज्ञान लेख**—कार्बन चुराने वाले सूक्ष्मजीव

67 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

69 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-133 का परिणाम**

70 **रोजगार अवसर**

71 **अर्द्धवार्षिकी** : समसामयिक घटनाएं

### हल प्रश्न-पत्र

43 एस.एस.सी. कम्बाइंड हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल भर्ती परीक्षा, 2019

50 एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस कॉंस्टेबिल (एग्जीक्यूटिव) भर्ती परीक्षा, 2020

### मॉडल हल

57 आगामी उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित समूह 'ग' भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

61 उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (PET)–2021 हेतु विशेष हल प्रश्न



संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008



सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

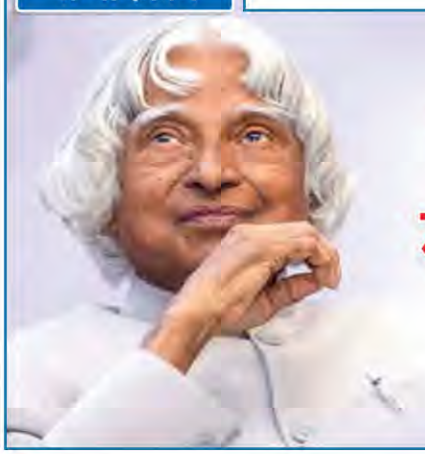

# हमारे युवक उम्मीदें जगाए रहें

*A wise man makes more opportunities than he finds—* अर्थात् बुद्धिमान व्यक्ति को जितने अवसर मिलते हैं, वह उनसे अधिक अवसरों का निर्माण करता है.

**–फ्रांसिस बेकन**

भारत में विपरीत एवं विषम वातावरण में काले बादलों के मध्य प्रकाश की किरणें चमकती हुई यदा-कदा, यत्र-तत्र दिखाई दे जाती हैं. एक विचारक के शब्दों में ऐसे अवसादपूर्ण माहौल में भी बाधाओं के चक्रव्यूह तोड़कर कुछ अभिमन्यु आए हैं. इन्हें देखकर यह हिम्मत बँधती है कि उम्मीदों के दरवाजे बंद नहीं हैं. यह बात अलग है निराशाओं के बियावान में आशा की चर्चा अप्रासंगिक बन गई है. ध्वंस के नगाड़ों के मध्य निर्माण की तूती की ओर ध्यान न देना हमारी नियति बन गई है.

जो युवक हमें निराशा में जाने से बचाए हुए हैं, वे साधन-सम्पन्न परिवारों से नहीं आए हैं. विशेषता यह है कि उन्होंने संसाधनों के अभाव, सरकार द्वारा प्रोत्साहन की कमी आदि के प्रति अन्य लोगों की भाँति शिकायत न करके अपनी लगन एवं परिश्रम-शीलता का अवलम्बन ग्रहण किया.

पिछले कुछ वर्षों में हमारे सामने कतिपय उत्साही युवकों की उपलब्धियाँ आई हैं जिन्हें देखकर यह विश्वास होता है कि भारतमाता बन्ध्या नहीं है वह नित्य नई प्रतिभाओं को जन्म देती रहती है. यह विडम्बना ही है कि जाने-अनजाने उजले-शिव-पक्षों की चर्चा बहुत कम होती है. अशिव पक्ष रूपी बहुसंख्यकों की सरकारें बनती रहती हैं. हम अपने स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उदाहरण लेते हैं–वह रामेश्वरम् में एक नाविक के घर पैदा हुए और अपने श्रम और दृढ़ इच्छा-शक्ति के सहारे उन्होंने देश के सर्वोच्च पद को प्राप्त किया. राष्ट्रपति का आसन प्राप्त करने को कुछ लोग राजनीति से जोड़कर उनकी इस उपलब्धि का अवमूल्यन कर सकते हैं, परन्तु दूसरी ओर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के लिए उन्हें 'मिसाइल पुरुष' की पदवी प्राप्त है. राष्ट्रपति के रूप में भी वह सरलता और सादगी का जीवन जीते थे–राष्ट्रपति भवन की अनेक परम्पराएं उन्होंने एक ओर रख दी हैं और वे युवाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रोटोकॉल की लक्ष्मण रेखा को लाँघकर अपने दरवाजे सामान्य जनता के लिए खुले रखते थे. राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम अपनी अस्मिता को बनाए रखने के लिए सदैव जाग्रत बने रहते थे. ऐसे ही व्यक्तियों को लक्ष्य करके अमरीका के चिन्तक लेखक इमर्सन ने लिखा है कि दुनिया में रहकर दुनिया की लीक चलना आसान है, जंगल में रहकर अपनी मस्ती की जिंदगी जीना, अपनी पृथक् अस्मिता को बनाए रखना भी आसान है, पर महान् व्यक्ति वे हैं, जो सबके बीच रहकर भी अपनी अस्मिता की स्वतन्त्रता को बखूबी अक्षुण्ण बनाए रखते हैं. महाराष्ट्र में अन्ना हजारे ने एक सामाजिक आन्दोलन चलाया और एक नई अलख जगाकर सरकार की जड़ता तोड़ने के लिए ग्रामीणों को सरकारी तंत्र के विरुद्ध जागरूक किया. इससे पहले साबरमती के संत और बारदोली के सरदार ने भी इसी प्रकार का करिश्मा दिखाया था. उन दिनों वे दोनों युवक ही थे. पं. जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द बोस प्रभृति जांबाज स्वतन्त्रता सेनानियों ने भी ब्रिटिश सरकार को नाकों चने बिनवा कर अपनी युवावस्था को सार्थक किया था. कोई कारण नहीं हमारे युवा वर्ग की वर्तमान पौध भी इसी कोटि के कार्य न कर डाले.